1	2	3	4
7	अहमदाबाद-काडला सडक बरास्ता वीरमगाम और धर्मगढ . . .	190	429.76
8	काडला-नपत सडक बरास्ता गाधीघाम-भुज	184	172.10
9	अहमदाबाद जयपुर-दिल्ली सडक बरास्ता मेहसाना-पलनपुर-अबू-बेवर . .	175	139 50
10	भगोदरा-वाटमन योजक मडक . .	26	55 76
	कुल	2308	4371.66

प्रश्न के भाग (क) म (i), (iii) तथा (iv) पर उल्लिखित सडकें क्रमश क० स० 5 7 और 3 के अन्तर्गत आ जाती हैं। राजकोट-जेतपुर-जूनागढ वेशोद-वेरावेल-सोमनाथ सडक इन दस मार्गों के अन्तर्गत नहीं आती। परन्तु राष्ट्रीय राजमार्ग सख्या 8-ख राजकोट और जेतपुर से जुडा हुआ है।

वित्तीय कठिनाइयो और अन्य प्राथमिकताओ के कारण, सरकार इन सडको को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने मे असमर्थ है।

आकाशवणी और दूरदर्शन मे प्रोड्यूसरो और स्टाफ आर्टिस्टो के पदो पर नियुक्तियो के लिए अनुसूचित जातियो और अनुसूचित जनजातियो के लिए आरक्षण

*223. **श्री राम प्रसाद देशमुख :** क्या **सूचना और प्रसारण** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) गत आठ वर्षो से आकाशवाणी और दूरदर्शन मे प्राड्यूसरो के रूप मे कितने व्यक्ति कार्य कर रहे है

(ख) उनकी शैक्षिक योग्यतायें क्या हैं और अनुसूचित जातियो तथा अनुसूचित जनजातियों के प्राड्यूसरों की सख्या कितनी है ;

(ग) वहा, अनुसूचित जातियों के कुल कितने स्टाफ आर्टिस्ट काम कर रहे है और स्टाफ आर्टिस्टों की कुल सख्या मे उनकी सख्या कितने प्रतिशत है, और

(घ) क्या अनुसूचित जातियो के व्यक्तियों को भविष्य मे आर्टिस्ट नियुक्त किया जायेगा और वे कितने प्रतिशत होंगे ?

सूचना और प्रसारण मन्त्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) (क) आकाशवाणी मे 125 और दूरदर्शन मे 3। आकाशवाणी मे सहायक प्राड्यूसर और प्रोड्यूसर की श्रेणी का एक अप्रैल 1977 से विलय कर दिया गया था। अत आकाशवाणी से सम्बन्धित सूचना मे ऐसे सहायक प्रोड्यूसर भी शामिल हैं जिन्होने सहायक प्रोड्यूसर और प्रोड्यूसर दोनों के रूप मे 8 वर्ष की सम्मिलित सेवा परी कर ली है।

(ख) आकाशवाणी और दूरदर्शन के प्रोड्यूसरो के नाम और उनकी शैक्षिक अर्हताए सभा पटल पर रखे गये विवरण मे दी गई है **[ग्रन्थालय में रखा गया। देखिए सख्या** एल० टी० 1739/78] दूरदर्शन के 3 प्रोड्यूसरो मे से आरक्षित श्रेणी का कोई भी प्रोड्यूसर नहीं है। आकाशवाणी के 125 प्रोड्यूसरो म से 2 प्राड्यूसर अनुसूचित जाति के है। इन 2 मे से एक को इस बीच केन्द्र निदेशक के रूप मे नियुक्त किया गया है।

(ग) आकाशवाणी और दूरदर्शन में कार्यरत आरक्षित श्रेणियों के स्टाफ आर्टिस्टों की कुल संख्या तथा स्टाफ आर्टिस्टों की कुल संख्या में उनकी प्रतिशतता सभा पटल पर रखे गये विवरण में दी गई है। [ग्रन्थालय में रखा गया। देखिए संख्या एल० टी० 1739/78]।

(घ) आरक्षण सम्बन्धी आदेश 18 सितम्बर 1976 से वादकों और संगीतज्ञों को छोड़कर आकाशवाणी के स्टाफ आर्टिस्टों की सभी श्रेणियों पर लागू कर दिय गये हैं। दूरदर्शन में आरक्षण सम्बन्धी आदेश फिलहाल निम्नलिखित छ श्रेणियों पर ही लागू होते हैं :—

1. जनरल असिस्टेंट ;
2. लाइटिंग असिस्टेंट ,
3. फ्लोर असिस्टेंट ;
4. कारपेंटर ;
5. पेंटर , और
6. दर्जी ।

स्टाफ आर्टिस्टों की अन्य श्रेणियों पर भी आरक्षण सम्बन्धी आदेश लागू करने का प्रस्ताव विचाराधीन है ।

Industries in Rural Areas

*224. SHRI AGHAN SINGH THAKUR: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have formulated any scheme for setting up industries in the rural areas of the country;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether Government will select places for setting up these industries, and if so, the criteria proposed to be adopted for the purpose?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) to (c). The thrust of the Industrial Policy announced in Parliament on 23rd December, 1977, will be on effective promotion of Cottage and Small Industries widely dispersed in rural areas and small towns. To achieve this, the list of Industries reserved for the Small Scale Sector has been expanded substantially to cover over 500 items. This list will be continuously reviewed to provide adequate support for the growth of the Small Scale Sector as new products and new processes capable of being manufactured in the small scale sector are identified.

In order to provide a focal point of development for small scale and cottage industries, there will be one agency in each District viz., the District Industries Centre to deal with all requirements of small and Village Industries. The District Industries Centre will provide all the services and support required by Small and Village entrepreneurs under a single roof. The Centre will be manned by responsible officers of different disciplines so as to provide an effective set up for economic investigation supply of machinery and equipment, provision of raw material, arrangement of credit facilities, an effective set up for marketing and financial assistance and linkage with the banks. This organisational set up will be implemented from May, 1978 to initially cover the RIP districts and progressively entered to the other districts in the country.

The Sate industrial machinery is being effectively involved in identification of the districts for locating the District Industries Centres and in manning these Centres with the requisite skills and disciplines to ensure a comprehensive involvement of Central and State resources and expertise in generating sustained and productive industrial growth in the rural areas.